एमएसओ

समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

द्वितीय वर्ष

एम.ए. समाजशास्त्र

जुलाई 2022 एवं जनवरी 2023 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु

ऐच्छिकपाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य

एमएसओई 001 : शिक्षा का समाजशास्त्र
एमएसओई 002 : प्रवासी और पराराष्ट्रीय समुदाय
एमएसओई 003 : धर्म का समाजशास्त्र
एमएसओई 004 : नगरीय समाजशास्त्र
एमपीएस 003 : भारत : लोकतंत्र और विकास
एमपीए 016 : विकेंद्रीकरण एवं स्थानीय शासन

समाजशास्त्रसंकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओई-001, 002, 003, 004, एमपीएस-3, एमपीए-16/
सत्रीय कार्य/टीएमए/2022–23

सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

समाजशास्त्र मेंस्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. समाजशास्त्र) केसदंर्भ मेंकायर्क्रम दर्शिका मेंहमने बताया है कि समाजशास्त्र केप्रत्येक पाठयक्रम केलिए आपकोएक ***अध्यापक*** जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) पूरा करना होगा।

इन सत्रीय कार्यों में प्रश्न पूछने का अर्थ आपकी योग्यता का पता लगाना है कि आप प्रश्न का वर्णन, विश्लेषण एवं आलोचनात्मक दृष्टि से इसे कैसे स्पष्ट करते हैं और इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि आपको विषयवस्तु की संपूर्ण जानकारी हैं और आप इस पर क्रमबद्ध एवं संसक्त ढंग से लिख सकते हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य में कुल मिलाकर दस प्रश्न हैं और यह दो भागों में विभाजित है। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न शामिल हैं।

प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में दें। अगर 10 अंक वाला लघु प्रश्न हो तो उसका उत्तर 250 शब्दों में दें। हमारा परामर्श है कि इन सत्रीय प्रश्नों को अपने सहपाठी तथा अकादमिक परामर्शदाता से चर्चा करके लिखने का प्रयास करें। जरूरी है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें।

सत्रीय कार्य पूरा करके संबद्ध अध्ययन केंद्र के संयोजक को इसे निम्नलिखित समय–सूची के अनुसार भेज दें :

सत्रीय कार्य	**जमा कराने की तारीख**	**किसे भेजें**
जुलाई 2022 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**31 मार्च, 2023**	**संबद्ध अध्ययन केन्द्र का संयोजक**
जनवरी 2023 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**30 सितम्बर, 2023**	

जमा कराए गए सत्रीय कार्य के लिए अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य लें और इसे अपने पास रखें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्यों की प्रतिलिपि अवश्य रखें। मूल्यांकन के बाद अध्ययन केंद्र द्वारा सत्रीय कार्यों को लौटाना होगा। कृपया इसके लिए आग्रह करें। अध्ययन केंद्र को मूल्यांकन के बाद अंक, विद्यार्थी पंजीकरण एवं मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजना ज़रूरी होता है।

सत्रीय कार्य करते समय कुछ ज़रूरी बातों को ध्यान में रखना

सत्रीय कार्य करते समय निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगा :

1 **नियोजन :** सत्रीय, कार्यों को सावधानी से पढ़ें। इनसे जुड़ी इकाइयों का अध्ययन भलीभाँति करें। प्रत्येक प्रश्न से जुड़े उपयोगी बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करें और फ़िर उन्हें तार्किक दृष्टि से क्रमबद्ध करें।

2 **व्यवस्थापन** : पक्का उत्तर लिखने से पहले कच्चा कार्य करें और फिर उत्तर लिखें। प्रारंभिक और अंतिम भाग की ओर पर्याप्त ध्यान दें।

3 **प्रस्तुति** : अपने उत्तर से संतुष्ट हों तो जमा कराने के नज़रिए से पक्का उत्तर लिखें। उत्तर साफ–साफ लिखें और ज़रूरी बिंदुओं को रेखांकित करें। प्रत्येक उत्तर निर्धारित सीमा में होना आवश्यक है।

शुभकामनाओं सहित!

कार्यक्रम संयोजक
एम.ए. समाजशास्त्र
समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इग्नू, मैदान गढी, नई दिल्ली–110068

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य
एम.एस.ओ.ई.–001: शिक्षा का समाजशास्त्र

कार्यक्रम कोडः एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.ओ.ई.–001
सत्रीय कोडः एम.एस.ओ.ई.–001 /सत्रीय कार्य/
टी.एम.ए. /2022–23
अधिभारित : 30%
पूर्णांक : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

भाग– I

1. शिक्षा पर समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए। **20**

2. शिक्षा को समझने में प्रकार्यवादी और द्वंद्वात्मक उपागमों की तुलना कीजिए। **20**

3. समाज में शिक्षा लैंगिक असमानता को कैसे बढ़ावा देता है? **20**

4. शिक्षा और सामाजिक गतिशीलता के बीच के संबंध की चर्चा कीजिए। **20**

5. शिक्षा राष्ट्रनिर्माण में कैसे मदद करता है? **20**

भाग – II

6. बहुसांस्कृतिक शिक्षा क्या है? समसामयिक समाज में इसकी प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए। **20**

7. 'शिक्षा महिलाओं की सशक्तिकरण के लिए एक औजार है' चर्चा कीजिए। **20**

8. भारत में उच्चतर शिक्षा पर भूमण्डलीकरण के प्रभाव की विवेचना करें। **20**

9. ज्ञान समाज से आप क्या समझते हैं? शिक्षा से इसके संबंध का वर्णन कीजिए। **20**

10. दूरस्थ शिक्षा के दार्शनिक आधार की व्याख्या कीजिए। **20**

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में वैकल्पिक पाठ्यक्रम
एमएसओई–002 : प्रवासी और अंतरराष्ट्रीय समुदाय
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रम कोड : एम.एस.ओ.
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओई–002
सत्रीय कार्य कोड : एमएस ओई–002/सत्रीय कार्य/टीएमए/2022–23

कुलअंक : 100
अधिभार : 30%

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग में कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग – क

1. यहूदी डायस्पोरा की प्रकृति का संक्षेप में परीक्षण कीजिए । 20

2. खाड़ी क्षेत्र में भारतीय डायस्पोरा के प्रवासन प्रारूप का वर्णन कीजिए । 20

3. भारतीय प्रवास के पांच प्रारूप क्या हैं? 20

4. औपनिवेशिक काल के दौरान भारतीय प्रवास के ऐतिहासिक संदर्भ का वर्णन कीजिए। 20

भाग- ख

5. प्रवासी भारतीयों के प्रतिनिधित्व में बॉलीवुड की भूमिका की चर्चा कीजिए। 20

6. प्रवासी भारतीयों के बीच सामाजिक–सांस्कृतिक संबंधों पर एक टिप्पणी लिखिए। 20

7. पंजाबी प्रवासियों के बीच पार–देशीय नेटवर्क की प्रकृति पर चर्चा कीजिए। 20

8. संयुक्त राज्य अमेरिका में भारतीयों को आदर्श अल्पसंख्यक क्यों माना जाता है? 20

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एमएसओई–003 : धर्म का समाजशास्त्र
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कुल अंक : 100 कार्यक्रम कोड : एमएसओ
अधिभारिता : 30% पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.ओ.ई–003
सत्रीय कार्य कोड : एम.एस.ओ.ई–003/सत्रीय कार्य/टीएमए/2022–2023

किन्हीं पाँच प्रश्नों (प्रत्येक) का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर अवश्य दीजिए।

भाग – I

1. धर्म पर समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण का वर्णन एवं चर्चा कीजिए। 20
2. धार्मिक आस्थाओं में आत्मा एवं त्याग के तत्वों की विवेचना कीजिए। 20
3. 'ओक्का' (Okka) क्या है? उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। 20
4. टी. एन. मदान के गैर–परित्याग विचार पर उपयुक्त उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। 20
5. पूंजीवाद की भावना की उत्पत्ति पर वेबर के दृष्टिकोण की व्याख्या कीजिए। 20

भाग – II

6. पीटर बर्जर के धर्म की परिघटना के विशेष संदर्भ पर विचारों की व्याख्या कीजिए। 20
7. सांप्रदायिकता एवं रूढ़िवाद के मुख्य लक्षणों पर चर्चा कीजिए। 20
8. धर्म की समझ पर क्लिफोर्ड गीर्ट्ज के दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए। 20
9. बहुलवादी समाज क्या है? प्रमुख धार्मिक शिक्षाओं में से किसी एक का वर्णन कीजिए। 20
10. धर्मनिरपेक्षवाद एवं धर्मनिरपेक्षीकरण के क्षेत्र में भारतीय अनुभव का वर्णन कीजिए। 20

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एमएसओई–004 : नगरीय समाजशास्त्र
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कुल अंक : 100 कार्यक्रम कोड : एमएसओ
अधिभारिता : 30% पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.ओ.ई–004
सत्रीय कार्य कोड : एम.एस.ओ.ई–004/सत्रीय कार्य/टीएमए/2022–2023

किन्हीं पाँच प्रश्नों (प्रत्येक) का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर अवश्य दीजिए।

भाग – I

1. पारिस्थितिक पार्क सिद्धांत का वर्णन उपयुक्त उदाहरणों के साथ कीजिए। 20

2. शहर की अवधारणा को परिभाषित कीजिए एवं भारतीय जनगणना के अनुसार कस्बा/शहर की विशिष्टता पर चर्चा कीजिए। 20

3. पूर्व–औद्योगिक शहर क्या है? उदाहरण देते हुए उसकी विशेषताओं का वर्णन एवं चर्चा कीजिए। 20

4. नये नगरीय समाजशास्त्र के अर्थ की चर्चा कीजिए। यह कैसे गठित हुआ? 20

5. समाज में प्रौद्योगिकीय और सामाजिक–सांस्कृतिक परिवर्तन की विशेषताएं परिवार को कैसे प्रभावित करती है। उदाहरण सहित चर्चा करें। 20

भाग – II

6. जीवन शैली एवं सामाजिक गतिशीलता के संदर्भ में ग्रामीण भारत में सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण कीजिए। 20

7. नगरीय भारत में आर्थिक उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण के बाद व्यावसायिक संरचना कैसे बदल गई है? चर्चा कीजिए। 20

8. भारत में नगरीय गरीबी या ग्रामीण गरीबी में कौन अत्यंत गरीबी में है? उदाहरण देकर आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। 20

9. नगरीय पारिस्थितिक एवं पर्यावरण, शहरों में रहने वाले लोगों के जीवन को किस प्रकार प्रभावित करते है? चर्चा कीजिए। 20

10. नगरीय शासन में मीडिया की भूमिका और उत्तरदायित्व की आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। 20

एम. पी. एस.–003 : भारत : लोकतंत्र एवं विकास
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-003
सत्रीय कार्यकोड : एएसएसटी/टीएमए/2022-23
पूर्णांकः 100

किन्हीपाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तरदीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. भारत मे संघीय व्यवस्था की कार्य प्रणाली का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

2. भारत के राष्ट्र–राज्य के सामने नृ–जातीयता की मुख्य चुनौतियों की चर्चा कीजिए।

3. भारतीय लोकतंत्र में 73वें और 74वें संवैधानिक संशोधनों के महत्व की चर्चा कीजिए।

4. सहभागिता के गैर–दलीय संस्थान क्या हैं? लोकतांत्रिक प्रक्रिया में वे किस प्रकार पूरक हैं?

5. निम्नलिखित (प्रत्येक) पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिएः

   क) भारतीय लोकतंत्र मेंजाति
   ख) भारत में पहचान की राजनीति

भाग–II

6. जननीतियाँ और जनमत को आकार देने में संचार माध्यमों (मीडीया) की भूमिका का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

7. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः

   क) सतत् विकास
   ख) जैंडर और विकास

8. भारत में क्षेत्रवाद के फैलाव के कारकों की चर्चा कीजिए।

9. नागरिक समाज की बदलती धारणाओं और समकालीन दौर में इसके महत्व की चर्चा कीजिए।

10. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः

    क) भारत में भाषा और राजनीति

    ख) पलायन के आर्थिक परिणाम

एम.पी.ए.–16 : विकेंद्रीकरण और स्थानीय शासन
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-016
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.टी./टी.एम.ए./जुलाई 2022–जनवरी– 2023
पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में खंड I और II हैं। प्रत्येक खंड में पांच प्रश्न हैं। आपको कुल पांच प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में होना चाहिए। प्रत्येक खंड से कम से कम दो प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक है।

खंड–I

1) विकेंद्रीकरण के महत्व पर चर्चा कीजिए और भारत में विकेंद्रीकृत विकास को मजबूत करने के लिए आवश्यक उपाय सुझाइए । 20

2) समकालीन परिदृश्य में प्रशासनिक विकेन्द्रीकरण का वर्णन कीजिए। 20

3) "दिल्ली सरकार के भागीदारी कार्यक्रम ने सरकार –नागरिक भागीदारी को बढ़ावा दिया है"। टिप्पणी कीजिए। 20

4) शिक्षा के क्षेत्र मेंस्थानीय अधिकारियों और विशेष प्रयोजन एजेंसियों के बीच साझेदारी की जांच कीजिए। 20

5) सशक्तिकरण की अवधारणा की व्याख्या कीजिए, और सशक्तिकरण प्राप्त करने में समस्याओं और बाधाओं को उजागर कीजिए। 20

खंड– I

6) "73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 हेतु, पंचायती राज संस्थाएं जमीनी स्तर पर स्थानीय स्वशासन के प्रभावी संस्थानों के रूप में कार्य कर रहीहैं''। जांच कीजिए 20

7) शहरी स्थानीय सरकार के संगठनात्मक ढांचे की व्याख्या कीजिए। 20

8) स्थानीय निकायों के संसाधनों का वर्णन कीजिए। 20

9) ''नगरीय क्षेत्रों में नगर पालिकाएं स्थानीय स्वशासन की एक प्रभावी संस्था के रूप में कार्य कर रही हैं''। टिप्पणी कीजिए। 20

10) सतत विकास को परिभाषित कीजिए और सतत विकास और पर्यावरण के लिए इसकी प्रमुख चुनौतियों की व्याख्या कीजिए। 20